घर, आँगन व गाँव की स्वच्छता में ही हमारा और सम्पूर्ण समाज का स्वास्थ्य निहित है

हमारा घर

- घर के भीतर प्रत्येक कमरे में झाड़ू व फिनायल युक्त पोछा रोज़ लगाना चाहिए।
- पुराने मकानों में समय-समय पर मिट्टी से लिपाई करनी चाहिए।
- भोजन व पानी को कभी भी खुला न छोड़ें, हमेशा ढक कर रखें।
- भोजन बनाने, परोसने व खाने से पहले हाथों को साबुन अथवा ताज़ी राख से धोयें।
- शौच के लिये खुले स्थान पर न जाऐं हमेशा शौचालय का प्रयोग करें।
- शौचालय को हमेशा साफ रखें ऐसा करने से आप कई प्रकार के रोगों से बच सकते हैं।

हमारा आँगन

- अपने घर को भीतर से साफ रखने के साथ-साथ आँगन व आस -पास भी स्वच्छता का पूरा ध्यान रखना चाहिए।
- घर के आसपास पड़ा कूड़ा व जमा हुआ पानी हमेशा रोग फैलाने वाले कीड़े-मकोड़ों को जन्म देता है। अतः कूड़े का नियमित निस्तारण करें तथा नालियों में पानी रुकने न दें।
- घर की रसोई का पानी खुले में नहीं बहाना चाहिए उसका निस्तारण या तो किसी ढके हुए गड्ढे में या गाँव की सार्वजनिक ढकी हुई नाली में किया जाना चाहिए।

हमारा गाँव

- गाँव की स्वच्छता ही वहाँ रहने वाले लोगों के चरित्र का परिचायक है। आम सहमति के आधार पर गाँव में 10 दिनों में एक बार सामूहिक रूप से स्वच्छता दिवस का आयोजन किया जाना चाहिए।
- गाँव में खुले में कूड़े अथवा जल का निस्तारण करने पर पूर्णतया प्रतिबन्ध होना चाहिए।
- रास्तों, नालियों व जलस्रोतों की नियमित रूप से सफाई की जानी चाहिए।
- गाँव में नालियाँ ढकी हुई होनी चाहिए व प्रत्येक परिवार के जल का निस्तारण इन नालियों में ही होना चाहिए।
- गाँव से दूर बसे घरों में जल निस्तारण के लिए गड्ढे आदि का प्रयोग करना चाहिए।

किशोरी उत्थान परियोजना के अन्तर्गत मुद्रित एवं प्रसारित : ग्राम्य विकास संस्थान, हिमालयन इन्स्टीट्यूट हॉस्पिटल ट्रस्ट, विश्व खाद्य कार्यक्रम, महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास निदेशालय उत्तराखण्ड सरकार का साझा प्रयास।

सम्पर्क पता : किशोरी उत्थान-ग्राम्य विकास संस्थान, हिमालयन इन्स्टीट्यूट हॉस्पिटल ट्रस्ट, स्वामी राम नगर, पो. ओ. डोईवाला, जिला देहरादून पिन कोड: 248140 उत्तराखण्ड, दूरभाष : 0135-2471426 फैक्स : 0135-2471427, ई0मेल -rdi@hihtinda,org,Website;www.hihtindia.org